



पड़ोस के लड़के के लंड का मजा

“Www इंडियन सेक्स कॉम कहानी में पढ़ें कि कैसे मैं अपने पड़ोस वाले घर में रहने वाला लड़का अकेला था तो उसने मुझे चुदाई के लिए बुला लिया. मैं अक्सर उसके लंड का मजा लेती थी. ...”

Story By: (ro888ma)

Posted: Tuesday, February 20th, 2024

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [पड़ोस के लड़के के लंड का मजा](#)

पड़ोस के लड़के के लंड का मजा

Www इंडियन सेक्स कॉम कहानी में पढ़ें कि कैसे मैं अपने पड़ोस वाले घर में रहने वाला लड़का अकेला था तो उसने मुझे चुदाई के लिए बुला लिया. मैं अक्सर उसके लंड का मजा लेती थी.

नमस्कार दोस्तो, मैं रोमा शर्मा एक बार फिर से आप सब के सामने अपनी एक कहानी लेकर प्रस्तुत हुई हूँ और उम्मीद करती हूँ जिस तरह आप सभी ने मेरी पिछली सभी कहानियों को अपना प्यार दिया था, उसी तरह आप सभी मेरी इस कहानी को भी उतना ही प्यार देंगे।

आज की मेरी यह कहानी मेरी पिछली कहानी

पड़ोस के बाप बेटे

से ही आगे की Wwww इंडियन सेक्स कॉम कहानी है.

यह घटना उसके कुछ महीने बाद ही घटी थी.

तो मेरा आप सभी से अनुरोध है कि जिस किसी ने भी मेरी पिछली कहानी 'पड़ोस के बाप बेटे' अगर नहीं पढ़ी है तो आप लोग पहले मेरी वह कहानी पढ़ लें.

तभी आप सभी को मेरी यह कहानी समझ में आएगी।

चलिए देरी न करते हुए अब कहानी में आते हैं।

मेरी उस कहानी में आप सभी नहीं पढ़ा कि किस तरह उन दोनों बाप बेटे ने मिल कर मुझे चोदा था।

उसके बाद तो आलम यह हो गया था कि उन दोनों को जब भी मेरी चुदाई करने का मन

करता तो वे दोनों मुझे चोदने के लिए बुला लेते थे.

कभी वे दोनों मुझे एक साथ मिल कर चोदते तो कभी अलग अलग ।

मुझे भी उन दोनों से ही चुदवाने में बहुत ही मजा आता था तो मैं भी उन से मजे लेकर चुदवाती थी ।

यह सिलसिला कुछ महीनों तक चला ।

इन महीनों में मेरा अंकल के घर आना जाना और भी ज्यादा बढ़ गया था ।

इसी बीच मेरी आंटी से भी काफी अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी ।

अब आंटी और मैं एक दूसरे से काफी कुछ शेयर करने लगी थी, सेक्स लाइफ के बारे में भी !

यह बात कहीं न कहीं उन दोनों बाप बेटे ने भी नोटिस कर ली थी ।

फिर एक दिन की बात है, अंकल और आंटी किसी काम से कहीं गये हुए थे तो निखिल ने मुझे घर बुला लिया मेरी चुदाई करने के लिए !

मैं अपने घर का सारा काम निपटा कर अंकल के घर गई ।

मैंने डोरबेल बजाई तो निखिल ने दरवाजा खोला.

वह सर्फ एक वी शेप कट अंडरवियर में ही था.

ऐसा नहीं था कि इस हालत में मैं निखिल को पहली बार देख रही थी ... पर आज निखिल कुछ ज्यादा ही सेक्सी लग रहा था

उसने मेरा हाथ पकड़ कर मुझे अपनी तरफ खींचा और डोर को लॉक कर दिया और मुझे हॉल में ही सोफे पर बैठा दिया ।

तब मैंने निखिल को अपनी बांहों में लेने के लिए अपनी बांहें फैला दीं और उसको मैंने

अपनी बांहों में भर लिया.

कुछ ही पलों में निखिल ने मेरी साड़ी ब्लाउज पेटिकोट उतार फेंके।

मैंने काले रंग की ब्रा पेंटी पहनी हुई थी.

मुझे इस ब्रा पेंटी में निखिल देख कर बोला- रोमा, आज तो तुम कमाल लग रही हो!

फिर उसने मेरी ब्रा पेंटी को भी उतार दिया.

तो मैंने भी उसकी अंडरवीयर उतार दी.

उसका खड़ा लंड अब मेरे सामने था.

अब हम दोनों पूरे नंगे हो चुके थे।

निखिल ने मुझे सोफे पर ही लिटा दिया और मुझ पर टूट पड़ा।

वह मेरे बूब्स को चूसने और दबाने लगा.

अब मैं भी गर्म होने लगी तो मैं भी अपने दोनों बूब्स बारी बारी से पिलाने लगी और कहने लगी- आह हहह हआह हहहह चूस लो निखिल ... मेरे इन बूब्स को पूरा खा लो।

मैंने अपने बूब को पकड़कर उसे निखिल के मुँह में दे दिया और उसे अपना दूध पिलाने लगी।

निखिल भी मजे लेकर मेरे एक बूब को अपने एक हाथ से दबाने लगा और दूसरे बूब से मेरा दूध पीने लगा।

कुछ देर दूध पीने के बाद निखिल ने फिर धीरे धीरे नीचे बढ़ते हुये मेरी नाभि को चूमना शुरू किया और चूमते चूमते वो और नीचे मेरी चूत पर जा पहुंचा।

और फिर उसने मेरी चूत को चाटना शुरू कर दिया।

मैं भी अपनी टांगें फैला कर उससे अपनी चूत को चटवाने लगी, मुझे बहुत मज़ा आने लगा।

निखिल ने कहा- रोमा तुम बहुत हॉट हो, मैं तुम्हारी चूत का दीवाना हूँ।

मैं मुस्कुरा कर बोली- तुम्हारे लिए ही है ... जितना मरज़ी चाहो चाटो इसे!

फिर निखिल ने मेरी चूत में अपनी जीभ अंदर तक डाल कर चूसना और चाटना शुरू कर दिया।

उसकी इस हरकत से मैं मचल उठी और मेरी सिसकारियां निकलने लगी- आहह हहह ...

आह हहह हहह ... कितने अच्छे से चूसते हो निखिल तुम चूत को! अब तक तुम्हारे पापा और तुम्हारे अलावा मेरी चूत को किसी ने इतने अच्छे से नहीं चूसा. बहुत मज़ा आ रहा है ... और जोर जोर से चूसो ना ... पूरी जीभ अंदर तक डाल कर चूसो मेरी चूत को! आहह ... आह हहह!

फिर निखिल ने कहा- रोमा, क्या तुम मेरा लंड नहीं चूसोगी? मुझे भी तो लंड चुसाई का सुख मिलना चाहिए।

तो मैं सोफे पर से उठी.

मैंने निखिल को सोफे पर बैठाया और मैं नीचे ज़मीन पर बैठ गई और निखिल के लंड को अपने मुँह में लेकर चूसने लगी।

निखिल ने मेरे सर के बालों को पकड़ लिया और मेरा सर अपने लंड पर दबाने लगा।

जब वह मेरे सर को अपने लंड पर दबाता तो उसका लंड मेरे हलक तक चला जाता.

पर इसमें भी मुझे मज़ा आ रहा था और मैं मज़े ले ले कर लंड की चुसाई करने लगी।

काफी देर तक तो मैं लंड चूसती ही रही.

पर अब मेरी चूत में लंड लेने की खुजली होने लगी थी तो मैंने निखिल से कहा- निखिल,

अब मुझ से रहा नहीं जा रहा है. मेरी चूत लंड लेने के लिए तड़प रही है. अब तुम अपना लंड मेरी चूत में डाल दो।

निखिल ने कहा- हाँ रोमा, क्यों नहीं! अब तो मेरा लंड भी आपकी चूत मांग रहा है.

फिर निखिल ने मुझे अपनी गोद में उठाया और वहीं सोफे पर अच्छे से लिटा दिया. मेरे दोनों पैरों को फैला कर अपने लंड को मेरी चूत पर रख कर दबाया तो उसका आधा लंड मेरी चूत में घुस गया।

मैं जोर से चिल्लाई- आह ... मर गई ... आह हहह हहह आहह!

मेरे चिल्लाने से निखिल थोड़ा रुका.

पर मैं उसे बोली- निखिल तुम रुको मत, अपना पूरा लंड मेरी चूत में घुसा दो, मुझे दर्द होने दो, इस दर्द में भी मज़ा है।

मेरी बात सुन कर निखिल ने अब अपना पूरा लंड मेरी चूत में घुसा दिया.

कुछ ही देर में मेरा दर्द मिठास में बदल गया और मुझ उसके लंड से चुदने में मजा आने लगा।

मैं मजे से सिसकारियां भरने लगीं- आह निखिल, पूरा घुसो आह मजा आ रहा है ... और चोदो अन्दर तक लंड घुसाओ. आहह ... आहह हहहह ... आह फाइ दे मेरी चूत को!

निखिल भी जोश में आ गया और वह भी आहें लेता हुआ बोला- हाँ रोमा भाभी, ये लो ... और अन्दर लो ... आज तुम्हारी चूत का जीभर के चोदूँगा.

यह बोलता हुआ वह मुझे जोर जोर से चोदने लगा।

कुछ देर की चुदाई के बाद निखिल अचानक रुक गया.

मैंने उससे पूछा- क्या हो गया निखिल ? रुक क्यों गये ?

उसने कुछ नहीं कहा और उसने टीवी को ऑन कर दिया.

फिर अपने फ़ोन से टीवी को कनेक्ट कर उसने एक चुदाई का वीडियो लगा दिया और मुझे कहा- देखो इस चुदाई के वीडियो को ... यह बहुत सेक्सी है।

फिर वह सोफे पर आ कर बैठ गया और मुझे अपने लंड पर बैठा लिया।

मेरे मुँह टीवी की तरफ था और पीठ निखिल की तरफ.

उसने पीछे से हाथ डाल कर मेरे दोनों बूब्स को पकड़ लिया और उन्हें दबाने लगा।

और मैं इधर उछल उछल कर उसके लंड पर कूदती हुई चुदने लगी और टीवी में वो चुदाई का वीडियो देखने लगी।

पूरा हॉल उस वीडियो में चल रही चुदाई की और हम दोनों की भी चुदाई की आवाज़ से गूँजने लगा था.

लगभग 15 मिनट की धकापेल चुदाई के बाद निखिल ने मुझसे कहा- मेरा वीर्य निकलने वाला है।

तो मैं जल्दी से उसके लंड पर से उठी और उसके लंड को मुँह में लेकर चूसने लगी।

कुछ ही देर में निखिल के लंड से वीर्य का फव्वारा छूट गया और उसने सारा वीर्य मेरे मुँह में ही भर दिया।

हम दोनों ही अब थक चुके थे तो हम आराम से सोफे पर बैठ गए.

सामने टीवी पर अभी भी वो चुदाई की वीडियो चल रही थी जिसे हम दोनों देख रहे थे।

कुछ देर बाद निखिल बोला- रोमा, पता है मैंने आज तुम्हें क्यों बुलाया था ?

मैं- हाँ चुदाई के लिए और क्या !

निखिल- हाँ ये तो है ही, पर मुझे तुम से कुछ और भी बात करनी थी।

मैं- हाँ बोलो न तो क्या बात करनी है ?

निखिल- रोमा अब तो हमारे परिवार से तुम्हारे काफी अच्छे संबंध हो चुके हैं. पापा भी तुम्हें चोद चुके हैं, मैंने और पापा दोनों ने भी मिल के तुम्हें चोदा है. तुम्हें कैसे लगता है ये सब ?

मैं- सच बताऊं निखिल ... तो मुझे बहुत ही मज़ा आया था जब तुम दोनों बाप बेटे ने मिल कर मुझे चोदा था। यह तो मेरी फैंटसी भी थी जो कि तुम दोनों बाप बेटे ने मिल कर पूरी कर दी।

निखिल- रोमा, मेरी भी कुछ फैंटसी हैं जिन्हें मैं पूरी करना चाहता हूँ. पर इसमें मुझे तुम्हारा साथ चाहिये।

मैं- हाँ निखिल, तुम मुझे अपनी फैंटसी बताओ. मुझे से जो कुछ भी होगा, मैं तुम्हारी फैंटसी पूरी करने में मदद करूँगी।

निखिल- टीवी में जो चुदाई का वीडियो चल रहा है, तुम उसे ध्यान से देखो।

मैं वीडियो को ध्यान से देखने लगी.

पर मुझे कुछ समझ नहीं आया।

फिर निखिल ने उस वीडियो को शुरू से फिर से लगाया।

अभी भी मुझे कुछ समझ नहीं आया था।

वीडियो को निखिल ने रोक दिया और मुझ से कहा- तुम वीडियो को ध्यान से नहीं देख रही हो. इस वीडियो में जो लड़का है, वह अपनी माँ को चोद रहा है।

यह कहते हुए उसने मुझ से कहा- मैं भी अपनी माँ की चुदाई करना चाहता हूँ.

मैं यह बात सुन कर चौंक गई और मेरे मुँह से कुछ देर के लिए कोई भी शब्द नहीं निकला।

निखिल- क्या हुआ ? तुम कुछ बोल क्यों नहीं रही हो ?

मैं फिर कुछ देर बाद बोली- निखिल, तुम ये क्या बोल रहे हो. तुम्हारी ये फैटेसी है. ये तो सम्भव ही नहीं है। लगता है तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है। तुम चुदाई के नशे में इतने भी पागल मत हो जाओ कि सारे रिश्ते-नाते ही भूल जाओ।

निखिल- मुझे सब पता है कि मैं क्या बोल रहा हूँ. वीडियो को ध्यान से देखो, वो लड़का अपनी सौतेली माँ को चोद रहा है और सौतेली माँ सौतेली ही होती है. वो सगी माँ की जगह नहीं ले सकती।

मैं- तो तुम कहना क्या चाहते हो ? थोड़ा क्लियर बोलो क्योंकि मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है।

निखिल- साफ़ बात यह है कि मेरी माँ मेरी सौतेली माँ है, मेरी सगी माँ नहीं है।

मैं फिर से चौंकती हुई- यह तुम क्या बोल रहे हो ?

निखिल- मैं सही कह रहा हूँ. मैं तुम से झूठ क्यों बोलूँगा।

तब निखिल ने सारी बात बताई।

उसने बताया कि उसकी सगी माँ को मरे हुए 10 साल हो चुके हैं. जब वह दसवीं क्लास में था, तब उसकी माँ की मृत्यु हो गई थी।

वह बताता गया- उसके बाद पापा और मुझे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था, फिर धीरे धीरे सब नार्मल हुआ। तब पापा की दोस्ती मेरी सौतेली माँ से हुई. तो उनका भी हमारे घर आना जाना होने लगा. मेरी सौतेली माँ के भी हसबैंड की मृत्यु हो चुकी थी और उनकी भी एक बेटी है जो कि अब USA में रहती है। जब उन्होंने अपनी बेटी की शादी की और वो USA शिफ्ट हो गई तो ये यहाँ अकेली रह गई थी। पापा को एक सहारा चाहिए था जो हमारा घर संभाले तो मेरी और उनकी बेटी की परमिशन से हमने इन दोनों की शादी

करवा दी। और ये मेरी सौतेली माँ बन कर हमारे घर गई। पर उन्होंने कभी सौतेला व्यवहार नहीं किया। हम सब हँसी खुशी से साथ मिलकर रहने लगे।

उसने आगे बताया- मेरी सौतेली माँ की बेटी तो इंडिया कभी नहीं आती है। माँ ही साल में 1 बार जाकर मिल आती है अपनी बेटी से!

मैं- ये सब तो ठीक है। पर यूँ अचानक तुम्हें क्या हो गया है जो तुम्हारे अंदर ये फैंटेसी आई है?

निखिल- यह अचानक नहीं हुआ है रोमा, पापा और माँ की शादी को भी 5 साल हो गए हैं। और तुम्हें तो पता ही है कि पापा कितने बड़े वाले चोदू हैं। उन्हें तो बस चूत चाहिए। तभी तो मैंने उनकी शादी करवा दी थी। पर वे फिर भी नहीं माने और वे माँ के अलावा भी कई औरतों को चोदते हैं। तो माँ भी कोई दूध की धुली तो होगी नहीं ... उसने भी अपने हसबैंड की मौत के बाद कई लंड लिए होंगे। सिंगल माँ बनकर बेटी को अच्छी पढ़ाई के साथ उसकी USA में शादी करना कोई आसान बात तो होगी नहीं। आखिरकार वह भी एक औरत है जिसे कभी न कभी तो लंड की जरूर हुई ही होगी। तो उन्होंने भी खूब चुदवाई होगी।

मैं सिर्फ निखिल के चेहरे को देखे जा रही थी और उसकी बातों को ध्यान से सुन रही थी।

फिर मैंने कहा- तुम सही कह रहे हो। एक चूत को लंड की और एक लंड को चूत की जरूरत होती ही है।

निखिल- अभी तक तो सब ठीक ही चल रहा था पर जब से हम यहाँ रहने आये हैं, तब से सब कुछ बदल गया है।

मैं- क्यों ऐसा क्या हो गया?

निखिल- जब हम यहाँ रहने आये थे तो एक दिन माँ अपने कमरे में कपड़े बदल रही थी और उनके कमरे का दरवाजा भी खुला हुआ था। तब उस दिन मैंने माँ को पूरी नंगी देखा। ओह्ह

... क्या गदराया हुआ बदन है उनका ! इस उम्र में भी उन्होंने अपने शरीर को मेंटेन करके रखा हुआ है. उनके बड़े बड़े बूब्स हैं. और चिकनी चूत देख कर तो मैं उनका दीवाना हो गया। जब मैं उन्हें देख रहा था तब उनकी नज़र भी मुझ पर पड़ गई थी. तो मैं वहाँ से मुँह मोड़ कर अपने रूम में चला गया था. पर दिमाग में बस उसका ही ख्याल आ रहा था।

मैं- पर निखिल, वो सौतेली ही सही ... पर तुम्हारी माँ तो है ही !

निखिल- हाँ मुझे पता है. पर जब से मैंने उन्हें नंगी देखा, तब से मैंने अपना नजरिया बदल लिया कि वे मेरी माँ ने हो कर सौतेली माँ ही है। फिर मैंने बहुत सौतेली माँ बेटे के चुदाई के वीडियो देखे, बहुत सेक्स कहानियाँ पढ़ी. इस सब के बारे में बहुत जानकारी ली तो मैंने यही पाया कि एक चूत को लंड और एक लंड को चूत की जरूरत होती है।

मैं चुप ही थी।

निखिल- उस घटना के बाद मैंने रात में पापा और माँ की कमरे के बाहर जोर जोर से चुदाई की आवाजें सुनी. माँ की चुदाई की, उनके कराहने और सिसकारियों की आवाज़ इतनी जोर की होती थी कि वो आवाजें मेरे कमरे तक आती थी। कुछ दिन तक यह सिलसिला ऐसे ही चला. फिर एक दिन पापा और मम्मी चुदाई कर रहे थे तो उनकी आवाजें मुझे आना शुरू हुई. तो मैं उनके कमरे के पास गया सुनने के लिए ! तब मैंने देखा कि कमरे का दरवाजा आधा खुला हुआ था. जब मैंने अंदर झांक कर देखा तो पापा मम्मी दोनों ही पूरे नंगे थे. पापा मम्मी को घोड़ी बना कर चोद रहे थे और गालियाँ दिए जा रहे थे. मम्मी फुल मोड में चुदवा रही थीं।

उसने आगे बताया- फिर यह सिलसिला ऐसे ही चलने लगा. जब भी उन दोनों के बीच चुदाई होती, उनके कमरे का दरवाजा खुला ही रहता था। तब से ही मेरे अंदर ये फैटसी आई है। ये सब ऐसा क्यों हो रहा है, मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा है. क्या मम्मी ये सब जानबूझ के कर रही हैं या यह बस एक संयोग है। अब तो मैं भी उनके सामने ऐसे ही नंगा

ओनली अंडरवियर पहने आ जाता हूँ तो वे मुझे घूर घूर के देखती हैं.

अब उसने आगे कहा- मुझे यही जानना है कि कहीं न कहीं मम्मी भी मुझे पसंद तो नहीं करती हैं. तो क्या ये जानने में तुम मेरी हेल्प कर सकती हो ? मैंने देखा है कि मम्मी और तुम्हारी बॉन्डिंग भी अब काफी अच्छी है. तुम दोनों काफी कुछ एक दूसरे से शेयर भी करने लगीं हो. तो तुम मम्मी से कुछ ऐसी बात करो और उनके मन में क्या चल रहा है ये जानने की कोशिश करो। क्या वे ये सब जानबूझ कर मुझे दिखाने के लिए तो नहीं कर रही हैं।

निखिल की ये सब बातें सुन कर मुझे हैरानी भी हो रही थी और उत्सुकता भी थी कि क्या ये सब हो सकता है।

मैंने निखिल से कहा- ठीक है, मैं तुम्हारे कहने पर अपनी तरफ से कोशिश करती हूँ जानने की कि उनके मन में क्या चल रहा है।

प्रिय मित्रो, आपको मेरी Www इंडियन सेक्स कॉम कहानी कैसी लगी ?

इससे आगे की घटना नई कहानी में पढ़ पायेंगे आप !

इस कहानी पर आप अपने विचार मुझे मेल और कमेंट्स में बताएं.

ro888ma@gmail.com

आगे की Www इंडियन सेक्स कॉम कहानी :

Other stories you may be interested in

आज मैं जवान हो गई हूं- 3

न्यू गांड हॉट सेक्स कहानी में एके भाभी के अपनी कुंवारी ननद को अपने यार से चुदवा दिया. चूत के बाद अब उसका आशिक ननद की गांड मारने की जिद करने लगा. कहानी के दूसरे भाग बांके मर्द ने तोड़ी [...]

[Full Story >>>](#)

कुंवारी बुर की सील कार में तोड़ी- 1

इंडियन वर्जिन टीन गर्ल बहुत अमीर घर की थी. जवान होते ही उसे सेक्स की तलब लगने लगी और वह अब अनी बुर की सील तुड़वाना चाहती थी. इसके लिए उसने अपने ड्राइवर को चुना. दोस्तो, मेरी पिछली कहानी थी : [...]

[Full Story >>>](#)

आज मैं जवान हो गई हूं- 2

हॉट वर्जिन चूत की चुदाई करवाई उसी की भाभी ने. असल में उस कमसिन लड़की ने अपनी भाभी को गैर मर्द के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया था. तो भाभी ने क्या किया ? कहानी के पहले भाग ननद ने भाभी [...]

[Full Story >>>](#)

पोर्न मूवी का पहला काम

पोर्न एक्ट्रेस फक स्टोरी में एक होटल मेनेजर को ब्लू फिल्मों में काम करने वाली एक लड़की की चूत चुदाई करने का मौका मिला. वह लड़की होटल में ब्लू फिल्म बनाने ही आई थी. दोस्तो, मेरा नाम प्रेम है और [...]

[Full Story >>>](#)

आज मैं जवान हो गई हूं- 1

पेड सेक्स वाली भाभी को उसकी ननद ने उसके किसी रईस ग्राहक के साथ पूरी नंगी हालत में पकड़ लिया. असल में भाभी का शौहर विदेश में था तो वह गैर मर्दों से चुदवाने लगी थी. मेरे रसिक पाठको, आपको [...]

[Full Story >>>](#)

